आख्या संख्या ३३/ जि0–उ0(दैवीय आपदा)–पुनर्वास/2013–14

श्री रोशन लाल पुत्र खेलवारु निवासी ग्राम जुगल्डी तहसील डुण्डा, जनपद उत्तरकाशी सारणी कमांक (20) मे परिवार हेतु प्रीफैब्रीकेट आवासीय भवन के निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल की टोही भूगर्भीय निरीक्षण *(Reconnaissance)* आख्या।

कार्यालय जिलाधिकारी, जनपद उत्तरकाशी द्वारा तहसीलदार डुण्डा/चिन्यालीसौड/पुरोला को सम्बोधित एवं भूवैज्ञानिक, जिला टॉस्क फोर्स, उत्तरकाशी को पृष्ठांकित कार्यालय पत्र संख्या 1149/तेरह–31 (2012–13) दिनांक 02 नवम्बर 2013 निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून के कार्यालय आदेश सं0 1051/स्था0/का0आ0/2012–13 दिनांक 15 दिसम्बर 2012 तथा 1560/उ0का0–आपदा/नी0अ0–मुख्या0/2011–12 दिनांक 01 अप्रैल 2013 के अनुपालन के क्रम में दिनांक 16 नवम्बर 2013 को ग्राम जुगल्डी का स्थलीय भूगर्भीय निरीक्षण श्री उदय सिंह पंवार, राजस्व उपनिरीक्षक (मो0 नं 7500315785) तथा श्री मुकेश सिंह बिष्ट, (मो.न.–9917223773), श्री सुखवीर सिंह चौहान, (मो.नं–9411199755), एवं श्री नीरज कुमार पाल (मो.न.–9759352253), कनिष्ठ अभियन्ताओं (सिविल) उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि0 के दल के साथ ग्रामवासियों की उपस्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा सम्पन्न किया गया, जिसकी निरीक्षण आख्या निम्नवत है:-

प्रस्तावित स्थल राष्ट्रीय राजमार्ग 108 में जनपद मुख्यालय उत्तरकाशी से धरासू की ओर लगभग 10 किमी0 दूरी पर के उपरान्त ग्राम जुगल्डी की ओर जाने वाले कच्चे हल्के वाहन मार्ग (LVR) लगभग 05 किमी0 की दूरी पर स्थिति है। प्रस्तावित भूखण्ड निरस्त किये गये भूखण्ड के SE में लगभग 15 मी0–20 मी0 की दूरी पर स्थित है। प्रश्नगत पुनर्वास प्रस्तावित भूखण्ड ग्राम जुगल्डी तोक पटारा तहसील डुण्डा के खसरा संख्या 1636 एवं उससे सटे पूर्वी अपहिल के सोपान के अन्तर्गत ल0 8.20मी0 एवं चौ0 7.50मी0 निजी नाप भूमि है।

भूगर्भीय दृष्टिकोण से लघु हिमालय पर्वत श्रृंखला के अन्तर्गत वर्गीकृत क्षेत्र में पड़ता है। भूखण्ड के अन्तर्गत मृदा का मोटा आवरण सतह पर विद्यमान है। इस भूभाग को सोपान के रुप में कृषि कार्य हेतु विकसित किया गया है। यह भारतीय सर्वेक्षण विभाग की *1,50,000* पैमाने की टोपोशीट संख्या *53J/6* मे पड़ता है। जिसके लगभग मध्य भाग की भौगोलिक स्थिति *30°46'5 .1"N 78°21'53.2" E* तथा *msl (mean sea level)* के सापेक्ष कन्टूर लेविल लगभग *1360मी0* है। जिसके ढलान युक्त भूभाग पर यह भूखण्ड पड़ता है उसका ढलान *SW* दिशा की ओर है। जिसके ढलान युक्त भूभाग पर यह भूखण्ड पड़ता है उसका ढलान $05^{\circ}–10^{\circ}$ दक्षिणवत् दिशा की ओर है।

प्रीफैब्रीकेट भवन के स्थायित्व हेतु पृष्ठ भाग के सोपान से प्रीफैब्रीकेटेड भवन का निर्माण यथोचित दूरी छोड़ते हुए अपहिल से प्रवाहित होने वाले सतही/अन्तर्सतही जल को सुव्यवस्थित रूप से नियंत्रित किये जाने की व्यवस्था नितान्त आवश्यक होगा। प्रश्नगत भूभाग में वर्तमान में कृषि कार्य हेतु उपयोग में लाया जा रहा है, अतः सतह पर लगभग 1.5 फीट गहराई में निरन्तर कृषि कार्य में उपयोग के कारण सतह पर सघनता *(compactness)* में कमी आना स्वाभाविक है। अतः नींव की गहराई के आकलन में इस तथ्य को सम्मिलित कर तदनुसार यथोचित गहराई तक प्रीफैब्रीकेट आवासीय भवन की नींव को स्थायीत्व–स्थिरता स्थापित रखने एवं अवतलन *(subsidence)* को प्रतिबन्धित करने हेतु रखा जाना नितान्त आवश्यक होगा।

प्रथम दृष्टया, इस भूखण्ड पर उपरोक्त सुझावों एवं शर्तों के अनुपालन के तहत प्री फैब्रीकेटेड प्रकृति के आवासीय भवन का निर्माण किये जाने हेतु भूगर्भीय दृष्टिकोण से उपयुक्त समझा जाता है।

दिनांक: 21 नवम्बर, 2013
स्थान: कैम्प लदाडी, उत्तरकाशी

(दीपेन्द्र सिंह बन्दे)
सहायक भूवैज्ञानिक
Mob. 8192802331
Email id: pgddn-dgm-uk@nic.in